रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 13 | अंक 19 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रू.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार , 5 अगस्त 2025 से 11 अगस्त 2025 तक

मध्यप्रदेश में चलेगा

हर घर तिरंगा

हर घर स्वच्छता: स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान

आदित्य शर्मा » रणजीत टाइम्स

सह. संपादक

मध्यप्रदेश में "हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता: स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग" अभियान को पूरे उत्साह के साथ लागू किया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान न केवल राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देगा बल्कि स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को भी जोड़ेगा।

अभियान का उद्देश्य

"हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता" अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना है। यह अभियान लोगों में देशभक्ति की भावना को जागृत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देगा। यही नहीं प्रदेश सरकार का यह अभियान स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाकर यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को भी मजबूती प्रदान करता है। मध्यप्रदेश सरकार इस अभियान को जन-आंदोलन के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि हर नागरिक इस उत्सव का हिस्सा बन सके। इस वर्ष यह अभियान 2 से 15 अगस्त 2025 तक तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा।

प्रथम चरण (2 से 8 अगस्त)

अभियान अंतर्गत 2 से 8 अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण तथा तिरंगे पर केन्द्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चाएँ आयोजित की जाएंगी। इस चरण में स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों को तिरंगे से प्रेरित कला और रंगोली से सजाया जाएगा। तिरंगे के इतिहास पर आधारित प्रश्नोत्तरी, तिरंगा राखी निर्माण कार्यशालाएँ, और पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगे के रंगों से बनी बुनाई का प्रदर्शन भी होगा।

दूसरा (9 से 12 अगस्त)

द्वितीय चरण में तिरंगा महोत्सव के रूप में बड़े पैमाने पर आयोजन होंगे। सामुदायिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, तिरंगा यात्राएँ, और सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। अभियान के द्वितीय चरण में 9 से 12 अगस्त तक लोगों को साथ लाने, व्यापक प्रचार-प्रसार, ध्वजों की उपलब्धता तथा सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे की दृश्यता के लिये कार्य किये जायेंगे। स्थानीय उत्पादों पर केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा केसर्ट, तिरंगा बाइक/तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज की बिक्री और समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा गान जैसे कार्यक्रम होंगे।

तीसरा (13 से 15 अगस्त)

अभियान के तृतीय चरण में 13 से 15 अगस्त तक घर, कार्यालयों तथा वाहनों पर तिरंगा लगाने, सेल्फ़ी अपलोड, सर्वत्र तिरंगे की दृश्यता तथा संस्कृति मंत्रालय के साथ सूचनाओं का सतत आदान-प्रदान किया जायेगा। हर जगह तिरंगा दृश्यता, तिरंगा के साथ रिकॉर्ड इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम किये जायेंगे। इस चरण में सभी शासकीय भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों, और सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा फहराया जाएगा।

मध्यप्रदेश सरकार ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की हैं। संस्कृति विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से चलने वाले इस अभियान की परिकल्पना सामूहिक उत्सव और नागरिक एकता की भावना पर आधारित है, जिसमें स्वतंत्रता के सार को स्वच्छता और सुजलता के संकल्प के साथ जोड़ा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित जल आपूर्ति, प्रभावी "जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य'' और बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करने से प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को बल मिलेगा। इस अभियान के तहत स्वच्छता और जल संरक्षण से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

सीएम बोले- मकान, फसल, पशु-जन हानि का मुआवजा देंगे: सीएम ने बाढ़ पीड़ितों को 4.30 लाख दिए; सिंधिया बोले- सुख-दुख में हम साथ हैं

शिवपुरी जिले के ग्राम पचावली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित स्थानीय नागरिकों को मकान क्षति तथा खाद्यान्न के लिए सहायता राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने ग्राम पचावली में ग्रामवासियों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री और क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवपुरी विधायक श्री देवेंद्र जैन, कोलारस विधायक श्री महेन्द्र सिंह यादव, पूर्व विधायक श्री प्रहलाद भारती तथा भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जसवंत जाटव, कलेक्टर श्री रवींद्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़, जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु जैन भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनहानि, पशुहानि अथवा फसल क्षति जैसी हर स्थिति में सरकार पीड़ितों के साथ है और प्रत्येक परिवार को राहत राशि सीधे उनके खाते में प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे विधानसभा सत्र के दौरान बाढ़ प्रभावितों के हालचाल जानने के लिए आपके ग्राम में आए है। सरकार हर हाल में जनता के साथ खड़ी है। सीएम ने बाढ़ से परेशान लोगों को 4,30,000 रुपए की सहायता राशि वितरित की। मुख्यमंत्री बोले- जान है तो जहान है मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि जान है तो जहान है और सरकार का पहला कर्तव्य हर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ऐसी अभूतपूर्व वर्षा पहले कभी नहीं देखी गई। उन्होंने कहा कि ये परिस्थितियां हमारे लिए परीक्षा की घड़ी हैं, जनता के सहयोग और प्रशासन के समर्पण से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया है।

उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है। शासन प्रशासन पूरी मुस्तेदी के साथ राहत कार्यों में लगा हुआ है, उन्होंने बाढ़ प्रभावितों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि चिंता न करें, दुख की इस घड़ी में हम सभी आपके साथ है। सिंधिया बोले- सुख-दुख में हम साथ हैं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हम सुख-दुख के हर क्षण में आपके साथ खड़े हैं और इस संकट की घड़ी में सरकार द्वारा हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार औसत वर्षा से कहीं अधिक वर्षा हुई है, जिसके कारण सिंध नदी में उफान आया और पचावली सहित 32 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। सिंधिया ने जानकारी दी कि ग्वालियर से दो हेलीकॉप्टर राहत कार्य के लिए भेजे गए थे, परंतु मौसम प्रतिकूल होने के कारण वे प्रभावित क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पाए। इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राहत दलों के संयुक्त प्रयास से बड़ी संख्या में नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया। सिंधिया ने बताया कि इस आपदा में लगभग 400 लोगों की जान बचाई गई तथा 18 व्यक्तियों को तत्काल आर्थिक सहायता दी गई। मक्का एवं सोयाबीन की फसल को व्यापक क्षति हुई है, जिसकी भरपाई के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी प्रभावितों को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं का आशीर्वाद लिया और कहा कि आपके आशीर्वाद से हम सबसे बड़ी आपदा को भी पार कर लेंगे। श्री सिंधिया ने भैयालाल जी के बचाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रशासन की तत्परता और सरकार की संवेदनशीलता का परिणाम है। सीएम 4,30,000 की राशि बाढ़ पीड़ितों को दी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाढ़ पीड़ित परिवारों की क्षति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और मौके पर ही मकान क्षति एवं आवश्यक खाद्यान्न सामग्री हेतु सहायता राशि के स्वीकृत पत्र हितग्राहियों को सौंपे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आपदा की हर घड़ी में अपने नागरिकों के साथ है, और राहत कार्यों को समयबद्धता और पारदर्शिता से पूर्ण किया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीणों को सहायता राशि के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। जिनमें पतीराम जाटव को 70,000, चंपाल जाटव को 40,000, सविता जाटव को 40,000, भगचंद जाटव को 40,000, राजकुमारी जाटव को 40,000, संपत बाई केवट को 40,000, खुशलाल जाटव को 40,000, खेमचंद्र जाटव को 40,000, काला बाई जाटव को 40,000 तथा सीमा जाटव को 40,000 शामिल है। उपरोक्त अनुसार कुल 4,30,000 की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की गई है।

पार्थ ने नगर का गौरव बढ़ाया

संजय प्रेम जोशी

हाटपीपल्या। सीबीएसई नॉर्थ जॉन कंपाउंड तीरंदाजी प्रतियोगिता में अंडर 19 कैटेगरी में तुलाज. इन्टर नेशनल स्कूल द मॉडर्न गुरुकुल देहरादून के 12 वी के,छात्र मास्टर पार्थ टोंग्या ने स्वर्ण पर निशाना साधा।

31 july 2025 को यह प्रतियोगिता मेरठ के सत्यकॉम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुई। एवं आगामी होने वाली राष्ट्रीय तीरंदाजी सीबीएसई प्रतियोगिता में पार्थ अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करेगे। प्रदेश के देवास जिले के छोटे से कस्बे हाटपिपलिया के पार्थ ने । अपनी मेहनत,लगन, अपने कोच श्री सचिन वेदवान के कुशल मार्गदर्शन में यह मुकाम हासिल किया।

हाटपिपलिया नगर के व्यवसायी पवन टोंग्या के पौत्र, आनंद टोंग्या के पुत्र मास्टर पार्थ टोंग्या की कड़ी लगन और मेहनत ने परिवार ,समाज, नगर ही नहीं अपितु पूरे देश को गौरवान्वित किया है।पार्थ को बधाई देने के राजेंद्र बज जन परिषद चैप्टर हाटपीपल्या के अध्यक्ष संजय प्रेम जोशी संतोष वर्मा अनिल लाड़ अनिल धोसरिया पंकज पाठक राकेश पुनयासी शामिल थे।

सहकारी संस्था कर्मचारी संघ की लंबित मांगों एवं लूज़ बारदान जमा करवाने हेतु आवेदन दिया

रणजीत टाइम्स

हाटपिपल्या। सहकारी संस्था कर्मचारी संघ की लंबीत मांग एवं लूज वरदान जमा करवाने की मांग को लेकर मध्य प्रदेश सहकारी संस्थाऐं कर्मचारी महासंघ के बेनर तले जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार सोनम भगत को आवेदन दिया साथ ही प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम देवास, प्रबंधक मध्य प्रदेश वेयर हाउस लाजिस्टिक कार्पोरेशन देवास, तहसील कार्यालय, एवं थाना प्रभारी हाटपिपल्या को आवेदन देकर अवगत कराया कि पूर्व में सहकारी संस्था के कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर आवेदन दिया गया है जिसका शीघ्र निराकरण किया जाएं। साथ ही जिला स्तर पर गेहूं उपार्जन पर कार्य कर रही बहुउद्देशीय सहकारी संस्थाओं में खरीदी के उपरांत जो लूज वरदान शेष बचते हैं।

जो की अधिकतर अनुपयोगी होते हैं उनको जमा करवाने हेतु मध्यप्रदेश स्टेट सिविल कॉरपोरेशन वेयर हाउस पर जमा करने हेतु भेजे जा रहे हैं जिनको वेयर हाऊस प्रबंधक के द्वारा लेने से मना किया जा रहा है जब कि जो बारदान लूज के निकलते हैं जिसमें कटे फटे एवं अनुपयोग बारदान भी होते हैं, जो पैक गठानों में से निकलते हैं जिसके खरीदी केंद्रों के पास पंचनामे फोटो विडियो उपलब्ध रहते हैं एवं संबंधित विभाग द्वारा खरीदी केंद्रों पर पुराने अनुपयोगी जो कि पुर्व मैं केंद्रों से जमा करवाए गए ऐसे सभी केंद्रों पर बारदान भेजें गये इस स्थिति में केंद्रो पर लुज बारदानों की सख्या बढ़ती जा रही है और इन्हीं बारदानो को संबंधित केंद्र का कार्य कर रही बहुउद्देशीय संस्थाओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है ऐमें में संस्थाओं को खरीदी करने का कोई औचित्य नहीं रह जाता है और पूर्व में जो टेंडर नागरिक आपूर्ति द्वारा बारदान डालने के एवं खरीदी के बाद केंद्रो से वापस उठने के टेंडर किए जाते थे अभी 2 वर्षों से खरीदी के बाद केंद्र प्रभारीयो को किराए के वाहन से हम्माली भिजवाने पड रहे हैं जिसका भुगतान खरीदीं प्रभारीयो को अपनी स्वयं के पास से देना पड़ता है साथ ही जिले से कई केंद्रों से गाड़ी भर कर भेजी गई जिनको लूज बारदान लेने से मना करने पर नुकसान उठाना पड़ा। खरीदी संबंधित नियम व शर्तों का अनुबंध होता है जिसको खरीदी के पूर्व करवाना होता है उसे नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा खरीदी के पश्चात करवाया जाता है और साथ ही उक्त विभाग द्वारा जिस पत्र का हवाला देकर बारदान की नियमावली बताई जा रही है वह पत्र खरीदीं के 21 दिन बाद संबंधित विभाग से निकाला गया। कुछ केंद्र के द्वारा दिनांक 31 जुलाई 2025 को हाटपिपल्या वेयर हाऊस पर भिजवाए गए परंतु लुज बारदानों को सिविल कार्पोरेशन हाटपिपल्या शाखा प्रबंधक द्वारा जमा करने से मना कर दिया गया वह लुज बारदानो के बंडल वेयर हाउस परिसर में रखे हैं और उनको वापस ले जाने का खर्चा वहन करने की क्षमता केंद्र प्रभारीयो में नहीं है। मध्य प्रदेश सहकारी संस्थाएं कर्मचारी महासंघ द्वारा आवेदन देकर अवगत कराया है कि लंबित मांगों के साथ ही लूज बारदान जमा किया जाए एवं आने जाने का खर्चा दिया जाए जिसको अवगत कराते हुए आवेदन दिया गया है अपनी मांगों का निराकरण होने तक दिनांक 2 अगस्त 2025 समय 11:00 से सिविल कार्पोरेशन एवं नागरिक आपूर्ति के कार्यालय पर अनिश्चित धरना दिया जाएगा ऐसी स्थिति में संस्था के कार्य प्रभावित होंगे उसकी पुर्ण जवाबदेही शासन प्रशासन की रहेगी। आवेदन का वाचन जिला अध्यक्ष जवाल सिंह सेंधव ने किया इस अवसर पर हाटपिपल्या मार्केटिंग सोसायटी, उन्नत सोसाइटी, अरलावदा सोसाइटी देवगढ़ सोसाइटी अमला ताज सोसाइटी आदि संस्थाओ के कर्मचारी मौजूद थे।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेरे बड़े भ्राता श्री शैलेन्द्र पिता श्री छोटेलाल जी गौर दिनांक सोमवार 28.7.2025 सुबह से मेरे इंदौर स्थित निवास 456 A मानवता नगर, कनाड़िया रोड से बगैर बताये कहीं चले गए है व् आज दिनांक31.7.2025 तक उनकी कोई सुचना प्राप्त नही हुई है व उनके मोबाइल न. भी बंद आ रहे है, कृपया जिन्हे भी तत संबंधी सुचना या पता प्राप्त होता है निम्नलिखित मोबाइल नंबरो पर सुचना देने की कृपा करें मोबाइल नंबर-9977919833 व 9111701115

विधानसभा का घेराव व प्रदर्शन

समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष बंटेश्वर नाथ सिंह व शहर अध्यक्ष राजेंद्र यादव के नेतृत्व में भोपाल विधानसभा का घेराव व प्रदर्शन किया गया इंदौर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष बंटेश्वर नाथ सिंह वह शहर अध्यक्ष राजेंद्र यादव के नेतृत्व में आज भोपाल विधानसभा का घेराव कर भारी प्रदर्शन किया गया जिला अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह वह शहर अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने

बताया कि आज भोपाल विधानसभा में जनता के हित मैं हमने यह प्रदर्शन किया है देश में आज बढ़ती महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचारी को लेकर जनता परेशानी में है इसी मुद्दों को लेकर आज हमने यहां जनता के हित मैं यह प्रदर्शन किया है प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह शहर अध्यक्ष राजेंद्र यादव मोहम्मद अली सिद्दीकी डीएस मिश्रा मनोज लक्ष्मी नामदेव शांति मौर्य लाल यादव अमन यादव चंदन सिंह मकवाना रामस्वरूप मंत्री आदि कार्यकर्ता द्वारा भोपाल विधानसभा का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया गया।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार , 5 अगस्त 2025 से 11 अगस्त 2025 तक

इंदौर पेट्रोल पंप पर मार पीट वा आगजनी की कोशिश करने वाले दो आरोपी थाना एरोड्रम की गिरफ्त में आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो धारदार चाकू व एक मोटरसाइकिल जप्त

इंदौर। थाना एरोड्रम क्षेत्र के अंतर्गत शुक्ला पेट्रोल पंप पर छोटा बांगड़ा इंदौर पर दिनांक 1/8/.2025 को बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं देने की बात को लेकर मोटरसाइकिल पर आए दो बदमाशों द्वारा मोटरसाइकिल में पेट्रोल नहीं डालने की बात को लेकर पंप कर्मचारियों को गालियां देकर मारपीट व चाकू दिखाकर जबरदस्ती पेट्रोल भरवा कर पेट्रोल पंप को नुकसान पहुंचाने की नीयत से माचिस की जलती तीली टैंक के पास फेक कर पेट्रोल पंप को जलाने का प्रयास किया फरियादी पेट्रोल पंप कर्मी वीरेंद्र पिता अनूप कुमार धौलपुरिया निवासी ग्राम जंबूदी हैप्सी की रिपोर्ट पर अज्ञात मोटरसाइकिल चालकों पर धारा 1198(1) 115(2) 351(3) 3(5) वीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारीगढ़ पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह पुलिस उपयुक्त श्री विनोद कुमार मीणा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री आलोक कुमार शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त विवेक सिंह चौहान जी द्वारा आरोपियों की धर पकड़ हेतु निर्देशित किया गया इस तारत्मय में एक पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश करते हुए आज दिनांक को सुलभ कंपलेक्स पंचशील नगर पर आरोपियों की घेराबंदी की गई जिस दौरान मोटरसाइकिल से भगाने के दौरान आरोपियों को हाथ व पैर में चोट आई आरोपियों से नाम पता पूछने पर अपना नाम संजय पिता लालचंद कनौजिया उम्र 32 साल निवासी गोविंद कॉलोनी ब शरीफ पिता युसूफ अली उम्र 37 साल निवासी रसूलपुर देवास का होना बताया आरोपियों की तलाशी के दौरान दोनों के

पास घटना में प्रयुक्त तेल धारदार चाकू मिले जो मौके पर जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल M, P14 N. J 8045 को जप्त किया गया है उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी एरोड्रम श्री तरुण सिंह भाटी उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह रघुवंशी नायक विजय तिवारी दिनेश मीणा आर राजू रावत की सराहनीय भूमिका रही।

जिहादी गुंडे ने दलित बेटी की गला रेत कर हत्या की

निकाह व धर्मांतरण के लिए बना रहा था दबाव, मना करने पर कर दी हत्या

दलित नेता ने शव को मुख्य चौराहे घटना बुरहानपुर जिले के नेपानगर पर रखकर किया घरना प्रदर्शन थाना अंतर्गत ग्राम नावरा की

रविदास समाज की बेटी भाग्यश्री नामदेव धानुक, को जिहादी शेख रईस पिता शेख आसिफ ने जबरन धर्मांतरण व इस्लाम कुबूल करने के लिए प्रताड़ित किया। पीड़िता ने नेपानगर थाने पर शिकायत की लेकिन गिरफ्तारी तो हुई परन्तु नावरा चौकी के दो भ्रष्ट अधिकारी वसीम कुरैशी और इकबाल खान ने मात्र 5000 घूस लेकर आरोपी को छोड़ दिया। छूटते ही रईस खान ने अपने साथियों के साथ मिलकर दलित युवती की गला रेतकर हत्या कर दी। दलित नेता और अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ नेपानगर के ग्राम नवरा पहुंचे l और मृतक परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली l क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन के लच्चर रवैए से परेशान पीड़ित परिवार ने अपनी आप बीती सुनाई l

दलित नेता ने सभी ग्रामीणो एवं बजरंग दल एवं हिन्दू जागरण मंच के सभी हिंदू सनातनी कार्यकर्ताओं के साथ शव को चौराहे पर रखकर किया धरना प्रदर्शन किया ll और सभी आरोपियों को फांसी की सजा व उनके अवैध निर्माण पर बुलडोजर की कार्यवाही की मांग की ll साथ ही मृतका परिवार को तत्काल संबल व रेडक्रॉस सोसायटी से राहत राशि मुआवजे के रूप में दी जाए, ओर घटना में लापरवाही बरतने वाले भ्रष्ट अधिकारियों के निलंबन की मांग की ll मौके पर मौजूद नेपानगर विधायक श्री मति मंजू दादू ने प्रशासन और आक्रोशित लोगों के बीच समन्वय की भूमिका बनाई और पुलिस प्रशासन ने तत्काल वसीम कुरैशी और इकबाल खान को लाइन अटैच कर दिया ll साथ ही sdm भागीरथ वाखला sdop निर्भय सिंह अलावा और एडिशनल SP अंतरसिंह कनाश नेपानगर थाना प्रभारी अभिषेक जाधव मय पुलिस बल के साथ मौजूद रहे ll दलित नेता मनोज परमार ने अधिकारियों और विधायक को बताया कि शासन द्वारा संचालित अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा पीड़ित मृतक परिवार को 8,25000 रुपए देने का प्रावधान है ll तब जाकर उपस्थित अधिकारियों ने योजना कन्फर्म कर ग्रामीणों के सामने 8,25000 रुपए मृतक परिवार को देने की घोषणा की ll इस दौरान मुख्य रूप से अखिल भारतीय बलाई महासंघ के कार्यकर्ता हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता हजारों की संख्या में उपस्थित रहे l

उधमसिंह जी के 84 वे बलिदान दिवस के अवसर पर उधम स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया गया

यात्रा इंदौर चोइथराम मंडी चौराहे पर उधम सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दिल्ली बाबा साहब अंबेडकर के परिनिर्वाण राष्ट्रीय स्मारक दिल्ली होते हुए उधमसिंह जी के जन्म स्थान पंजाब के संगरूर जिले के सुनाम गांव तक गई और उनके परिवार से मुलाकात व मिलते हुए और वहां से अमृतसर जलियांवाला बाग जो उधमसिंह जी की संकल्प भूमि होते हुए 2 अगस्त दोपहर को इंदौर पहुंची तटपश्चात कार द्वारा रैली के माध्यम से बाबा साहेब अंबेडकर जी की जन्मस्थली महू पर उधम सिंह स्वाभिमान यात्रा का समापन हु यात्रा का उद्देश्य रविदास समाज के युवाओं में राष्ट्रीय स्वाभिमान जागृत करना, अपने देश से प्रेम, देश के प्रति निष्ठा, देशवासी होने का स्वाभिमान, राष्ट्र के लिए सर्वोच्च निछावर करने की भावना, समरस समाज के निर्माण का संकल्प, सतत कार्य करने की प्रेरणा, एवं सकारात्मक क्रांति कि आज रविदास समाज को बहुत आवश्यकता है रविदास समाज के युवाओं में विकास करना ही हमारा लक्ष्य है यह जानकारी उधमसिंह क्रांति सेना संस्थापक जीतू झालरिया ने दी।

मित्रता का बदलता स्वरूप

समय के साथ रिश्तों का नया आयाम

मित्रता

यह शब्द सुनते ही चेहरे पर एक सहज मुस्कान आ जाती है। बचपन की गलियों से लेकर युवावस्था के सपनों तक, जीवन के हर मोड़ पर मित्र हमारे सहयात्री रहे हैं। लेकिन आज जब हम Friendship Day मना रहे हैं, तो यह सवाल मन में उठता है – क्या मित्रता का स्वरूप वही है जो पहले हुआ करता था, या अब यह बदल चुका है?

पुराने जमाने की मित्रता

दिल से दिल का रिश्ता

बीते समय में मित्रता का मतलब था – हर सुख-दुख में साथ खड़ा होना। गांव की चौपाल हो या शहर की गलियां, दोस्ती का बंधन बिना किसी स्वार्थ के गहराता था। तब न तो मोबाइल फोन थे, न सोशल मीडिया। फिर भी दोस्त एक-दूसरे से जुड़े रहते थे। एक चिट्ठी, एक मुलाकात या बस हाल-चाल पूछने के लिए घर पर आ जाना – यही रिश्तों को गाढ़ा बनाता था। मित्रता तब समय की मांग नहीं थी, बल्कि जीवन की धड़कन थी। एक दोस्त के लिए दूसरे दोस्त का घर परिवार जैसा होता था। कई बार तो दोस्त ही मुश्किल वक्त में परिवार से बढ़कर साबित होते थे।

नए जमाने की मित्रता

डिजिटल कनेक्शन का युग

आज की मित्रता स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर ज्यादा निर्भर हो गई है। फेसबुक फ्रेंड्स, इंस्टाग्राम फॉलोअर्स और व्हाट्सएप ग्रुप – यही नए युग की पहचान बन गए हैं। सैकड़ों दोस्त ऑनलाइन जुड़े होते हैं, लेकिन जब जरूरत पड़ती है तो अक्सर हाथ गिनने लायक लोग ही साथ खड़े मिलते हैं। फोन कॉल या वीडियो चैट से हम जुड़ तो जाते हैं, लेकिन यह जुड़ाव कई बार सतही रह जाता है। पुराने जमाने का अपनापन अब इमोजी और स्टिकर्स में सिमटकर रह गया है।

मित्रता के मायने

समय के साथ बदलती प्राथमिकताएं

मित्रता का मूल भाव कभी नहीं बदला – भरोसा, अपनापन और सहारा। फर्क बस इतना है कि अब रिश्तों को समय देना थोड़ा कठिन हो गया है। व्यस्त दिनचर्या और डिजिटल दुनिया की चकाचौंध ने हमें 'फोन मित्र' बना दिया है। लेकिन हमें यह याद रखना होगा कि दोस्ती केवल स्क्रीन पर चमकते नामों से नहीं बनती। इसके लिए दिल से जुड़ना और वक्त देना जरूरी है।

फोन मित्रता से आगे बढ़ें

दिल से रिश्ते निभाएं

हमारे पास तकनीक है, लेकिन दिलों में जगह बनाना अब भी जरूरी है। Friendship Day हमें यही याद दिलाता है कि एक फोन कॉल से ज्यादा जरूरी है एक सच्ची मुलाकात, एक संदेश से ज्यादा जरूरी है दोस्त की मुश्किल में साथ खड़ा होना। दोस्ती वह रिश्ता है, जो हमें बिना शर्त अपनाता है।

विजयवर्गीय कहिन

इंदौर के लिए मंत्री क्या, मुख्यमंत्री तक से लड़ जाऊं...'

राजेश धाकड़

राऊ। नगरीय प्रशासन मंत्री और इंदौर-1 के विधायक कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को राऊ में आयोजित एक समारोह में इंदौर के प्रति अपने प्रेम को लेकर बड़ा बयान दिया। मंत्री जी ने कहा – ''इंदौर के लिए किसी मंत्री क्या, मुख्यमंत्री तक से लड़ने में मुझे कोई तकलीफ नहीं... इंदौर ने मुझे बहुत कुछ दिया है... इंदौरवासियों के प्रेम और आशीर्वाद के कारण ही मेरी प्रदेश से लेकर देशभर में पहचान है...''

विजयवर्गीय ने आगे कहा

''मैं जब शहर से बाहर होता हूं तो होम सिकनेस नहीं होती, लेकिन इंदौर की याद जरूर आती है... यहां की आबोहवा, यहां के लोगों का प्रेम और अपनापन ही इस शहर को खास बनाता है। प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि इंदौर एक नया दौर है।

यह स्वाद और स्वच्छता की राजधानी है। इंदौर अभी स्वच्छता में नम्बर वन है, अब हर क्षेत्र में भी नम्बर वन होना चाहिए। इंदौर के लोग वफादार हैं, यहां के लोग काम नहीं भूलते। मेरे महापौर कार्यकाल को इंदौरी आज भी याद रखते हैं।'' मंत्री जी अब आप भी 'वफादारी' निभाइए... 'तुगलकी आदेश' के खिलाफ जनता के साथ खड़े हो जाइए!'' मंत्री विजयवर्गीय का यह बयान उस वक्त आया है, जब सोशल मीडिया पर हेलमेट अनिवार्यता के आदेश को लेकर इंदौर की जनता अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर कर रही है। लोग कह रहे हैं – ''हमने हमेशा वफादारी निभाई है... अब बारी आपकी है! जनता पर थोपे गए इस 'तुगलकी आदेश' के खिलाफ 'ठाकुर हाथ खोलो'... जनता के सुर में सुर मिलाकर कुछ तो बोलो... इंदौर जानता है, आप शहरहित में किसी से भी भिड़ सकते हो... जनता को तकलीफ हो रही है, क्या अबकी बार यह दर्द आपको नहीं दिख रहा, मंत्री जी?'' इंदौर की उम्मीदें अब एक बार फिर उसी ''ठाकुर अदा'' पर टिकी हैं, जिसने शहर के हक में हमेशा आवाज बुलंद की है।

अबोधिता में ही चिर आनंद की प्राप्ति संभव है

अबोधिता या मासूमियत एक ऐसा भाव या अवस्था है जो व्यक्ति को देवतुल्य बना देती है। अबोधिता को यदि समझना है तो हमें उस बचपन की ओर देखना चाहिए जिसका परिचय दुनिया के मायावी संसार से नहीं हुआ है। सहजयोग में श्री गणेश इस मासूमियत के प्रणेता होते हैं वे ही इसकी रक्षा करते हैं। इसी अबोधिता के कारण ही सहजयोगी चिर आनंद में रहते हैं। जो बालसुलभ मस्ती को नहीं पा सकता उसकी ईश्वर से एकाकारिता नहीं हो सकती। वास्तव में आनंद ही सहजयोग है। सहजयोग संस्थापिका आदिशक्ति श्री माताजी ने इसी आनंद की व्याख्या इस प्रकार की है कि, "मासूमियत वह तरीका है जिससे आप वास्तव में दूसरों को मज़ा देते हैं, इसका मज़ेदार हिस्सा बनते हैं। मज़ा तो मासूमियत से ही पैदा होता है. और मासूमियत ही एकमात्र तरीका है जिससे आप वास्तव में आनंद भी प्राप्त कर सकते हैं।

वह आनन्द और कुछ नहीं बल्कि खिलना है। यह किसी को चिढ़ाता नहीं है, किसी को चोट नहीं पहुंचाता है, किसी को परेशान नहीं करता है, लेकिन बस खिलता है, पूरी बात, सुगंध में। यह परमात्मा की तरकीब है। इसमें उससे भी अधिक कुछ ऊंचा है, कि यदि आप निर्दोष (अबोध) हैं, तो आप वास्तव में आनंद का अनुभव कर सकते हैं। तो, एक निर्दोष व्यक्ति ही किसी ऐसी चीज का आनंद महसूस कर सकता है जिसे एक बहुत ही गंभीर और एक बहुत ही तर्कसंगत व्यक्ति कभी नहीं देख सकता है। एक निर्दोष व्यक्ति किसी बात पर जोर से हंस सकता है, दूसरे लोगों के लिए यह कुछ मजाकिया

नहीं भी हो सकता है। तो, आनंद -सृजन कोई संदेहास्पद चीज़ नहीं है, यह एक बहुत ही सीधा, सरल, एक सहज खिलना है। श्री माताजी निर्मला देवी, (22 अगस्त 1982) जीवन के इसी आनंद को प्राप्त करना सहजयोग का उद्देश्य है। आनंद की यह अवस्था आपको वर्तमान में स्थापित कर भयमुक्त जीवन प्रदान करती है। सहजयोग ध्यान के इस निरानंद को प्राप्त करने हेतु नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य एवं सुंदरता

घरेलू नुस्खों से चमकेगा चेहरा और मिलेगा अच्छा स्वास्थ्य!

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा खूबसूरत और स्वस्थ दिखाई दे। यही कारण है कि आजकल लोग घरेलू और आयुर्वेदिक नुस्खों की ओर अधिक झुकाव दिखा रहे हैं।

चेहरे की देखभाल के घरेलू उपाय

1 रात को चेहरा सिर्फ पानी से धोएं, साबुन का प्रयोग न करें। 2 रोज़ रात को केवल नारियल तेल से हल्की मालिश करें। 3 यदि चेहरे पर चिकनाई महसूस हो तो 15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से धो लें। 4 नियमित रूप से 3 महीने तक ऐसा करने से चेहरे पर अद्भुत निखार आ जाएगा। यदि यह आदत बना ली जाए तो पार्लर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। चेहरा चमकने लगेगा और त्वचा कोमल बनेगी। साबुन का अधिक प्रयोग त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए उसकी जगह उबटन का उपयोग करें।

आयुर्वेद – सरल और प्रभावी चिकित्सा

आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा बीमारियों को रोकने और उनसे बचने का सबसे सरल तरीका है। हमारे आस-पास ही ऐसे औषधीय पेड़-पौधे हैं जो स्वास्थ्य का खजाना हैं, बस उनका सही उपयोग करना जरूरी है।

काढ़ा – ऐसा शब्द जिसे सुनते ही लोग मुंह बना लेते हैं, लेकिन यही काढ़े स्वास्थ्य के लिए अमृत समान होते हैं। नीम, मुलेठी, अमलतास, गिलोय, गुड़, तुलसी और हल्दी जैसे तत्व शरीर को रोगमुक्त बनाते हैं।

औषधि लेने का सही तरीका

अक्सर लोग दवाइयां लेने से कतराते हैं, लेकिन अगर घरेलू दवाइयों को जूस, सब्जी, लड्डू, पारा या चटनी के रूप में प्रस्तुत किया जाए तो लोग इन्हें स्वाद लेकर खाएंगे और बिना झिझक स्वस्थ रहेंगे।

विशेषज्ञ हेमाजैन का कहना है:

"यदि लोग घरेलू नुस्खों को अपनाएं तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है। बस यह ध्यान रखें कि किसी भी औषधि का सेवन सीमित मात्रा में और सही विधि से करें।

निष्कर्ष: यदि आप सुंदर और स्वस्थ रहना चाहते हैं तो महंगे पार्लर और केमिकल उत्पादों से बचें। आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाएं, नियमित दिनचर्या का पालन करें और उबटन व नारियल तेल मालिश जैसे प्राकृतिक उपायों को जीवन का हिस्सा बनाएं। प्राकृतिक नुस्खों से पाए स्वस्थ शरीर और चमकता चेहरा!

गोटूलाल जी का कार्यकाल पूर्ण, धूमधाम से हुआ विदाई समारोह

राजेश धाकड़

इंदौरः संयुक्त संचालक कार्यालय इंदौर में कार्यरत गोटूलाल जी का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उच्च अधिकारीगण, सहकर्मी और स्टाफ सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे और गोटूलाल जी को उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए सम्मानित किया। गोटूलाल जी की प्रथम नियुक्ति 6 सितंबर 1991 को संयुक्त संचालक कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हुई थी। तत्पश्चात उन्हें पदोन्नति प्राप्त हुई और आईटीआई मानपुर में सहायक ग्रेड-3 के पद पर सेवाएं दीं। वर्ष 2010 में उनका स्थानांतरण महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान इंदौर में हुआ, जहां उन्होंने अपनी निष्ठा और मेहनत से कार्य को नई दिशा दी।

इसके बाद 1 जनवरी 2015 को वे संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में पदस्थ हुए और वर्ष 2023 में पुनः उनका स्थानांतरण संयुक्त संचालक कौशल विकास इंदौर में हुआ। अपने पूरे कार्यकाल में गोटूलाल जी ने विशेष रूप से इंदौर-उज्जैन संभाग के न्यायालयीन प्रकरण एवं स्थापना विभाग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने कार्यकाल के दौरान गोटूलाल जी को उच्च अधिकारियों एवं संयुक्त संचालक महोदय से निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ। श्री कप्तान सिंह सोलंकी एवं संजय शर्मा के नेतृत्व में गोटूलाल जी ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा से किया। गोटूलाल जी 31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत्त हुए। विदाई समारोह के दौरान उन्हें सहकर्मियों ने भावभीनी विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं।

"नो हेलमेट, नो पेट्रोल" सख्ती लागू

इंदौर। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने सड़क सुरक्षा को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। अगस्त 2025 से दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं मिलेगा। यह आदेश ऑनलाइन जारी होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया।

भागीरथपुरा पुलिस चौकी, थाना बाणगंगा में 30 जुलाई को नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम

इंदौर हर्ष सांवले-भागीरथपुरा पुलिस चौकी प्रभारी कमल किशोर ने , थाना बाणगंगा में 30 जुलाई को क्षेत्र के निवासियों और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर "नशे से दूरी है जरूरी" कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 10वीं और 12वीं कक्षा के बच्चों के लिए मैराथन का आयोजन हुआ , जिसमें विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। नशा छोड़ चुके बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में भागीरथपुरा के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, नगर सुरक्षा समिति और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।। सुबह 8 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में बच्चों द्वारा नशे के खिलाफ कविता और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को ट्रॉफी, पानी की बोतल और नाश्ता प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना नामांकन अभियान पंहुचा ग्रेटर तिरुपति कॉलोनी

अनिल चौधरी

इंदौर। आदरणीय जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा सर के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आज ग्रेटर तिरुपति कॉलोनी रहवासी संघ के साथ कालोनी में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना नामांकन अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमें रहवासी संघ की अध्यक्ष श्रीमती सीमा जैसवानी जी ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया एवं अतिथि एवं वक्त के रूप में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक एवं डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन की जिला मिशन समन्वयक डॉ वंचना सिंह परिहार द्वारा सेशन लिया गया। डॉ परिहार ने उपस्थित समस्त महिलाओं को भारत सरकार की मिशन शक्ति एवं मिशन वात्सल्य के बारे में विस्तार से बताया गया । जिसमें उन्होंने मिशन शक्ति की समस्त योजनाओं संबल एवं सामर्थ्य के अंतर्गत प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना , वन स्टॉप सेंटर, हब, सखि निवास ,शक्ति सदन , महिला हेल्प लाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 , महिला अधिकारों एवं महिला कानून के बारे में जानकारी दी गई।

क्या हेलमेट लगाने से ट्रैफिक सुधर जाएगा..

इंदौर के माई-बापों ने फिर आदेश जारी किया है, जिसमें 1 अगस्त से दो पहिया वालों को हेलमेट पहनना जरुरी है। फरमान सुनाया गया है, हेलमेट नहीं पहना तो चालान तो कटेगा साथ ही पेट्रोल भी नहीं मिलेगा। शहर के अब्बा हुजूरों का कहना है ये नियम इसलिए क्योंकि एक्सीडेंट में मौत का खतरा रहता है। इंदौर जैसा शहर जहां आमतौर पर हर 200 मीटर की दूरी पर ट्रैफिक सिग्नल है या फिर रास्ता कट रहा है। ऐसा शहर जिसकी हर सडक़ पर हर समय जाम लगा रहता है। गाडिय़ां एक दूसरे से सटकर चल रही होती हैं। आम तौर पर इंदौर की सडक़ों पर गाडिय़ों की स्पीड 20 से ज्यादा नहीं होती है। 20 की स्पीड जिसे रेंगना भी कहते हैं उसमें पर एक्सीडेंट और उसमें मौत... सुनकर ही डर लगने लगता है, हाथ-पैर कांपने लगते हैं। इंदौर के ट्रैफिक को लेकर हाईकोर्ट में 22 जुलाई को अफसरों से सवाल जवाब हुए थे, उसके बाद से भाई लोगों को ट्रैफिक की समस्या दिखने लगी। शहर में जाम का हल भाई लोगों ने आम जनता के हेलमेट नहीं पहनने के कारण निकाला, इसे ही कहते हैं कुशाग्र बुद्धि। लेकिन क्या इस शहर में जाम वाकई हेलमेट नहीं पहनने के कारण लगता है, जवाब है बड़ा सा नहीं..। शहर में एक सडक़ ऐसी नहीं है जिस पर यदि 300 मीटर आप गाड़ी लेकर निकलें और उसमें गाड़ी न उचके। क्योंकि या तो सडक़ पर गड्ढे बने हुए हैं या फिर पेंचवर्क और चेंबर के नाम पर सडक़ पर कुबड़ निकाल दिए गए हैं। और तो और जो सीमेंट की सडक़ें हैं उसमें ज्वाईंट उपर नीचे हैं। जिससे गाड़ी उचकती ही है। लोग इससे गिरते हैं उनके हाथ-पैर टूटते हैं। फरमान जारी करने वाले इस गड़बड़ी के खिलाफ कभी फरमान जारी नहीं करते क्यों, क्योंकि वो उनकी ही बिरादरी या सत्ता साकेत के पसंदीदा लोग हैं। हेलमेट नहीं होने से ट्रैफिक बिगडऩे की बात करने वालों ने कभी सिटी बसों को सडक़ पर चलते देखा है..? ये बसें तो आप लोगों की देखरेख में ही चलती हैं। इनके स्टॉप के नाम पर फूटपाथ जरूर गायब हैं, लेकिन ये कभी स्टॉप पर नहीं रुकती, जहां ड्रायवर को सवारी दिखती है वहां ये रुक जाती हैं। चाहे फिर पीछे गाडिय़ां अटकी रहें। इनकी टाइमिंग क्यों तय नहीं होती, क्यों इनके ड्रायवरों पर कार्रवाई नहीं होती, क्योंकि ये आपके मैनेजमेंट की गड़बड़ी का नतीजा है। जनता के लिए हेलमेट का आदेश तो आपने आदेश जारी कर दिया लेकिन क्या कुछ समय पहले उपनगरीय बसों को लेकर जो आदेश जारी किया था, उसका कितना पालन हुआ है वो देखा

है..? सॉरी आपने कहां से देखा होगा, क्योंकि ये तो सत्ताधीशों और उनके सगे-संबंधियों की देखरेख में ही चल रही हैं। साहब लोगों कृपया कर एक बार जरा रीगल से मधुमिलन और शास्त्री पुल से लेकर पटेल ब्रिज के बीच के हिस्से में 40 की स्पीड में आपकी गाड़ी घूमाकर दिखा दो। कभी 7 बजे के बाद राजेंद्रनगर थाने के पास जाकर देखिएगा, या फिर रिंग रोड पर ही चले जाइएगा। आपके आदेश का पालन कितना हो रहा है दिख जाएगा। साहब ऐसा क्यों है कि गरीब जनता को पेट्रोल नहीं मिलेगा, लेकिन शहर के ट्रैफिक को बर्बाद करने वाली इन गाडिय़ों को डीजल जरुर मिलेगा। हाईकोर्ट में बताया गया है कि इंदौर में गाडिय़ां और इंसान बराबर हैं। जितने इंसान उतनी गाडिय़ां...। लेकिन इन गाडिय़ों को खड़ा करने की जगह क्या सरकार, प्रशासन, नगर निगम, आइडीए, आरटीओ ने तय की है। इंदौर में गाडिय़ों के लिए पार्किंग कहां और कितनी हैं? हर बार 20 साल पहले बनीं 11-12 पार्किंग को गिनाते रहते हो, कभी नई पार्किंग की बात किसी ने की है। आप लोगों के पास शहर की प्लानिंग की जिम्मेदारी है, इसीकी आड़ में जनता पर कायदे थोपे जाते हैं लेकिन क्या कभी ये देखा है कि शहर में जो नए निर्माण हो रहे हैं उनका नक्शा किस काम के लिए पास हुआ है और मौके पर क्या बना है। कभी इसकी फूर्सत ही नहीं मिली होगी। इसका क्या नतीजा होता है वो उदाहरण सहित बता देता हूं, रामप्याऊ से लेकर उषाफाटक तक की सडक़ जिस पर मध्यक्षेत्र का ट्रैफिक गुजरता है। यहां पर पिछले दो सालों में कई नए भवन बने। 15 बाय 50, 20 बाय 50 के इन मकानों के नक्शों में ये खुद के रहने के लिए बनाए गए हैं लेकिन मौके पर मार्केट बने हुए हैं। जिसमें एक दो नहीं बल्कि 20-20 दुकानें हैं, लेकिन इनमें गाडिय़ां खड़ी करने की जगह नहीं छोड़ी गई है। ऐसी ही एक सडक़ है पाटनीपुरा से एलआईजी चौराहा, हाउसिंग बोर्ड ने आवासीय प्लॉट काटे थे, लेकिन यहां पर पूरा मार्केट बन चुका है। जिनकी गाडिय़ां सडक़ पर रहती है। ये बिल्डिंगें एक दिन में तो बनी नहीं, और जब गलत बनीं तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। क्या साहब लोग इन्हें बनाने और बनते समय आंख मुंदने वाले अफसरों पर भी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करेंगे। इंदौर में ट्रैफिक की समस्या का नया कारण है सडक़ों पर खड़े होने वाले ठेले और रिक्शा वाले, कभी खडखडिया पुल (नगर निगम के पीछे रामबाग पुल) से गुजरने वालों से बात करिए वो बताएंगे कि यहां लेफ्ट टर्न बनाया ही इन लोगों की सुविधा के लिए गया है। इन सबसे बड़े हैं इंदौर में चलने वाले ई-रिक्शा। ये ई-रिक्शा इंदौर के ट्रैफिक को खराब नहीं बल्कि उसका बलात्कार करते हैं। सूर्यास्त के बाद बगैर हेडलाइट चलना इनका प्रियशगल है। बगैर लाइसेंस के ही इन्हें चलाने की छूट ने इंदौर के ट्रैफिक को मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ा है ये कहीं भी खड़े हो जाते हैं कहीं भी और कैसे भी चलते हैं, जैसे सडक़ केवल इनके चलने के लिए बनी हैं। और इन सबसे बढक़र वो व्यापारी जो सडक़ और फूटपाथ को को अपनी दुकान का हिस्सा बनाकर उस पर सामान रख लेते हैं। अफसरों का जोर हमेशा गरीब दो पहियावाहन वालों पर चलता है क्या कभी लोहारपट्टी, राजबाड़ा, पाटनीपुरा, अन्नपूर्णा रोड, एमजी रोड, जवाहरमार्ग के दुकानदारों को लेकर भी ऐसे ही आदेश जारी होंगे। लोकतंत्र में किसी भी सार्वजनिक परेशानी का हल होता है मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ती से। लेकिन इंदौर राजनेता इस मामले में नपुंसक ही साबित हुए हैं। ऐसे में शहर के लिए फैसला लेने के बजाए अपने और अपने वालों को फायदा पहुंचाने में ही ये लोग लगे रहते हैं। इंदौर में शहर से लेकर दिल्ली तक एक ही पार्टी का राज है। यहां का विपक्ष लगभग मर चुका है। ये शहर बीते चार सालों से जाम को लेकर चिल्ला रहा है, लेकिन मजाल है पक्ष-विपक्ष किसी के नेता का पुरुषार्थ जागा हो। एक नेता सामने नहीं आया जिसने इस बिगड़ते हालात के मूल कारण पर काम किया हो। हां नेताओं ने चिंता जरुर दिखाई, लेकिन ड्क्षचता के मूल की चिता बनाने में किसी ने आगे बढक़र काम नहीं किया। जब शहर की जनता और उनका नेतृत्व करने का दावा करने वाले नेता सोए हैं तो मनमानी तो चलेगी। हेलमेट जरुरी होने का समर्थन करने वाले क्या शहर के ट्रैफिक को बदहाली तक पहुंचाने वालों से भी जवाब मांगेंगे, शायद नहीं, क्योंकि वो मुंह खोलेंगे तो शायद साहब की नजर में गलत हो जाएंगे। वैसे भी बुर्जुग कह गए हैं सोए को जगा सकते हैं लेकिन मुर्दे और सोने का नाटक करने वाले को नहीं जगा सकते।

खबर पर नजर

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY Birthday TO YOU

इंदौर की प्रख्यात समाजसेविका एवं सांस्कृतिक कार्यों में सदैव अग्रणी श्रीमती नित्या प्रकाशसिंह निर्वाण जी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं!
आपका सामाजिक क्षेत्र में योगदान अतुलनीय है। आपने हमेशा कैंसर पीड़ितों के लिए "रन फॉर कैंसर" जैसे जनजागरूकता अभियानों में भाग लेकर समाज को प्रेरित किया है।
सांस्कृतिक आयोजनों में आपकी सक्रिय भूमिका और नेतृत्व प्रशंसनीय है।

रणजीत टाइम्स परिवार की ओर से ईश्वर से प्रार्थना है कि वह आपको स्वस्थ, समृद्ध और प्रेरणादायी जीवन प्रदान करे।

रिपोर्टर: मुरली फावड़े
रणजीत टाइम्स – जनता की आवाज

मल्हार देव की कृपा आप पर सदैव बनी रहे, आपका जीवन खुशियों, सफलता और अच्छे स्वास्थ्य से भरपूर हो। आपका कार्य और सोच समाज के लिए प्रेरणादायक बनकर चमकता रहे। हम प्रार्थना करते हैं कि आने वाला वर्ष आपके लिए नई ऊंचाइयों और सुख-शांति से परिपूर्ण हो।

रणजीत टाइम्स परिवार
संपादक: गोपाल गावंडे

अनिल वराट जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

भौतिकता क्षणिक सुख प्रदायिनी है, वास्तविक सुख परमात्मा से एकाकारिता है

भगवद्गीता में अर्जुन प्रश्न करते हैं कि हे कृष्ण 'स्थितप्रज्ञ' किसे कहते हैं ? भगवान श्रीकृष्ण उत्तर देते हैं, हे पार्थ,

प्रजहाति यदा कामान् सर्वान् पार्थ मनोगतान्। आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।।

अर्थात् जो मानव अपनी संपूर्ण कामनाओं का त्याग कर, अपनी आत्मा को प्राप्त होता है। और वह उसकी हृदयस्थ आत्मा ही उसे परम संतुष्टी देती है, परमानंद,और निरानंद प्रदान करती है। और निरानंद में स्थित रहकर, जीवन की गतिविधियों को एक नाटक के समान साक्षीभाव से देखनेवाले साधक को 'स्थितप्रज्ञ' कहते हैं। सहजयोग के अभ्यास से स्थितप्रज्ञ भाव की जागृति अत्यंत सरल है। सहजयोग प. पू. श्री माताजी द्वारा इस विश्व को दिया हुआ एक अनुपम उपहार है। आज जब हम संसार की विविध गतिविधियों और मानवों की विविध प्रवृत्तियों नजर डालते हैं, तो देखते हैं कि इस संसार मे कोई भी आदमी सुखी, समाधानी या संतुष्ट नहीं है। सुख या आनंद ढूंढने के लिये हम भौतिक चीजें पाने की होड़ लगा देते हैं, परंतु सूक्ष्म अवलोकन करके देखें, क्या भौतिक चीज़ें मानव को उस संतुष्टि का अनुभव दे पाती हैं ? इसी प्रकार हम आराम या फुर्सत की बात करते हैं। आजकल लोग हर हफ्ते वीकेंड मनाने जंगलों में , समुद्र तट पर या अन्य स्थानों पर जाते हैं, या और कोई मनोरंजन का बहाना ढूंढते हैं, परंतु इतना सब करने के बाद भी मन को परमसुख की अनुभूति देने वाली वो तथाकथित शांति नहीं प्राप्त कर पाते। प.पूज्य श्री माताजी निर्मलादेवी जी कहती हैं कि, आत्मा का आनंद पाये बगैर आप जीवन में खुशहाल नहीं हो सकते। भौतिकता आपको क्षणिक सुख दे सकती है परंतु शाश्वत आनंद का स्त्रोत तो आपके हृदय में छिपा है और जब सहजयोग में आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है, तो आपकी माँ स्वरूपिणी कुंडलिनी शक्ति तीसरे चक्र जिसे नाभि या मणिपुर चक्र कहा जाता है उसे लांघती है और आपको अंदर से तुष्टि का अनुभव दिलाती है। वो शक्ति आपको आपका लक्ष्मीतत्व प्रदान करती है यानि कि आपकी तबीयत एक राजा जैसी बन जाती है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार
5 अगस्त 2025 से 11 अगस्त 2025 तक

इंदौर अवैध शराब की बिक्री करने वाला आरोपी एरोड्रम पुलिस की गिरफ्त में

इंदौर अवैध शराब की बिक्री करने वाला आरोपी एरोड्रम पुलिस की गिरफ्त में आरोपी के कब्जे से 141 बोतल अंग्रेजी शराब एवं 96 बियर की केन कीमत लगभग रू,1,53000 इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थ की गतिविधियों में लिप्त बदमाशों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु वरिष्ठ अधिकारी गढ़ पुलिस आयुक्त महोदय श्री संतोष कुमार सिंह अतिरिक्त पुलिस आई युक्त महोदय श्री अमित सिंह पुलिस उपयुक्त महोदय श्री विनोद कुमार मीणा अतिरिक्त पुलिस उपयुक्त महोदय श्री आलोक कुमार शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त महोदय विवेक सिंह चौहान जी द्वारा प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं उक्त निर्देशों में पुलिस थाना एरोड्रम की टीम के द्वारा लगातार अवैध शराब के विक्रय की गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों के संबंध में सूचना संकलन कर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है इसी कड़ी में पुलिस थाना एरोड्रम पुलिस द्वारा दिनांक 3/8/2025 को रात्रि में क्षेत्र में भ्रमण कर संधिगद् व्यक्तियों की चकिंग करते हुए पाल्हार नगर केला माता मंदिर के पास इंदौर पर अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिलने पर पुलिस टीम के द्वारा दबिस् देकर आरोपी हेमंत उर्फ बंटी पिता रघुराज रघुवंशी उम्र 56 साल निवासी पल्लहर नगर इंदौर को रंगे हाथों शराब का विक्रय करते हुए पकड़ा तथा आरोपी से पूछताछ करते हुए उसके घर में अवैध शराब रखी होना बताया बाद में आरोपी के घर से अवैध अंग्रेजी शराब एवं बियर की केन बरामद की गई रॉयल स्टैग -12, 8 पीएम-12 बॉटल,ऑफीसर्स चॉइस 12 बॉटल, बकार्डी मेंगो /लेमन -24 बॉटल, आईकोनिक व्हाइट-24 बॉटल, रॉयल चैलेंज -12 बॉटल, स्टेरलिग रिसर्व- 24 बॉटल, बैगपाईपर -12बॉटल, मैकडॉवल -9बॉटल, किंगफिशर बियर -48 केन, बोल्ट बियर की -24 केन, हंटर बियर की -24 केन कुल 141 अंग्रेजी शराब 96 बियर की केन कुल कीमत 1,53,000 जप्त की गई उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी एरोड्रम श्री तरुण सिंह भाटी नरेंद्र सिंह रघुवंशी दीपू यादव योगेश लश्करी राजू रावत राकेश बघेल दीपेंद्र की सराहनी भूमिका रही।

Acp - विवेक सिंह चौहान

यह मकान बिकाऊ है हर घर पर लिखा है

रणजीत टाइम्स » » आदित्य शर्मा

कट्टरपंथी मुस्लिमों के अत्याचार के कारण दलित हिन्दू पलायन को मजबूर

देवास जिले के थाना विजयगंज मंडी के ग्राम पंथ मुंडला के दलित हिन्दू (रविदास समाज), आतताई मुस्लिमों से इतने परेशान हो गए कि उन्होंने अपने घर के बाहर (यह मकान बिकाऊ है) लिखा है । यहां रविदास समाज के लगभग 35 परिवार पूर्वजों के समय से रह रहे हैं ।। वहीं इस गांव में मुस्लिमों के 300 से अधिक परिवार रहते हैं ।। तो जाहिर सी बात है कि सरपंच भी मुस्लिम है और मंत्री भी मुस्लिम है । ऐसी स्थिति में यहां पर रहने वाले दलित समाज के लोगों को न तो आवास योजना का लाभ मिलता है और न ही अन्य किसी शासकीय योजना का ? ओर तो ओर यहां पर रहने वाले दलित समाज के लिए जो शमशान घाट की भूमि थी, वह भी मुस्लिमों द्वारा कब्जा कर ली गई, साथ ही भेड़ बकरी चराने के लिए शासकीय गौचर भूमि पर भी जिहादियों की टेढ़ी नजर पड़ गई उस पर भी मुस्लिमों ने अपना कब्जा जमा लिया। इस प्रकार से यहां शताब्दी वर्षों से रह रहा दलित समाज सभी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हो गया।

अंततोगत्वा यहां पर रहने वाला दलित समाज गांव से पलायन को मजबूर हो गया है पीड़ित दलित परिवारों ने अपनी आप बीती अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार को सुनाई है। आज दिनांक 1/8/25 शुक्रवार को सुबह 11 बजे देवास कलेक्टर ऑफिस का घेराव प्रदर्शन हैं ।। देखते हैं कि कितने दलित हिन्दू जागृत होते हैं।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)